



कलेक्टर ने किया बस्तर तहसील में संचालित विकास कार्यों का अवलोकन

कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। कलेक्टर रजत बंसल ने आज बस्तर तहसील में संचालित विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने बस्तर तहसील मुख्यालय में प्रथमव्य का उद्घाटन करके, पार्क में ओपन ग्राम स्थापित करने तथा तालाब के सी-द्वीकरण के संबंध में निर्देशित किया।

कलेक्टर ने बस्तर तहसील मुख्यालय में अनुविभागीय दण्डाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय और जनपद पंचायत



कार्यालय में पहुँचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर कार्यालय में प्राप्त होने वाली सुविधाओं की जांचकारी ली। ग्रामीणों ने कार्यालय में प्राप्त सुविधाओं से सन्तुष्टि जताया। कलेक्टर ने इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी गोकुल खट्ट, तहसीलदार कमल किशोर साहू, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयभान सिंह राठी सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

क्षमता से अधिक सवारी लेकर चलते हैं ऑटो चालक



ग्रामीण क्षेत्रों में करते हैं अधिक मनमानी

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। परिवहन विभाग ने लॉकडाउन समाप्त होने के बाद ऑटो चालकों की संख्या निर्धारित कर उन्हें ऑटो चलाने की अनुमति दी थी लेकिन इन दिनों ऑटो चालक उन निर्देशों

का गंभीरता से पालन करते नहीं नज़र आते। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमता से अधिक सवारियों को बिनाकर चलते देखे जाते हैं। ऑटो में अधिक सवारियों होने से संतुलन बिगड़ने के कारण मोड़ पर ऑटो

पलटने का खतरा बना रहता है। पूर्व में ऐसी कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं। उसके बाद भी कुछ महीने आटो चालकों को शिक्षा नहीं दी गई। लेकिन इन दिनों के चालक भी अधिक सवारी भरेकर ऑटो दौड़ाते हैं, जिससे दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

वालीबॉल स्पर्धा का शुभारंभ



जगदलपुर 22 फरवरी (सन्सू)। बस्तर तहसील वीरक बैंग एवं एलसीएस हस्तलिपि विकास बोर्ड के अध्यक्ष नारायणपुर विभागाध्यक्ष चंदन करण्य पहुंचे मंडलांचल के ग्राम हसलेत रिविबर को बस्तर तहसील व विभागाध्यक्ष नारायणपुर के ग्राम हसलेत (ग्राम प्रकामा-2) पहुंचने

कन्या शाला प्रकामा-2 में मनाई गई लाई वेडेन पावेल की जयंती



जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रकामा-2 जगदलपुर में विद्यार्थिनीयों के अवसर पर स्कॉर्टिंग के जन्यदाया, लाई वेडेन पावेल का जन्म दिवस मनाया गया। लाई वेडेन के द्वारा विद्यार्थिनीयों का आयुक्त गाईड श्रीमती सुधा

70 वर्षीय बुजुर्ग को पहुंचाया घर

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। भस्मपुरा 2 पुलिस चौकी के सामने एक बुजुर्ग महिला रास्ता भटक कर पहुंची थीं, जिनमें 112 की टीम द्वारा महिला से पूछने पर अपना नाम उमासी विधुवर्मा पति सुखमण विधुवर्मा (70) वर्ष निवासी नगरनार माड़ी पारा बताईं, रास्ते में कहीं गिर जाने से उसके बाएं हाथ में कलाई में मोच आया था। तत्काल महामंत्री हार्मिस्टल ने जांचर ड्यूटीकर को दिखवाया। उसके कलाई के हड्डी फेंकर हो गयी थीं। डॉक्टर ने इलाज कर प्लास्टर करने के बाद दवाई दिया, बुजुर्ग महिला को डॉक्टर 112 ने नगरनार माड़ी पारा पहुंचाया।

नगरनार संयंत्र के डीमर्जर के विरोध में मुख्यमंत्री से मिलेगा फेडरेशन

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। जिले के नगरनार संयंत्र के डीमर्जर और निजीकरण के विरोध में संविद हाउस में फेडरेशन और मजदूर संगठनों के पदाधिकारी सांसद दीपक वैज से मिले हुए हैं, जहाँ आंदोलन को तेज करने पर रणनीति बनाई गई। सांसद को हैदराबाद में हुई बैठक की जानकारी दी गई, वहीं आंदोलन को तेज करने मुख्यालय से मुलाकात करवाने सांसद से उन्होंने मांग की जिसके बाद वह तय हुआ कि मुख्यालय की से मुलाकात कर अपनी बात रखेंगे।

अधिवक्ता संघ ने एसपी से की गवाह की शिकायत

जगदलपुर 22 फरवरी (सन्सू)। जिले के थाना नगरनार में एनडीपीएस एक्ट के दमन गोदामों में एक ही गवाह का नाम लगातार सामने आ रहा है। थाना की कार्यवाही में इसी एक गवाह का नाम बार-बार आ रहा है और यह गवाह कोर्ट के सामने प्रस्तुत होने के लिए मनामानी रखा जा रहा है। इस बात की शिकायत जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने एसपी से की है। अधिवक्ता संघ ने जारी प्र में बताया है कि नगरनार निवासी वहीद अहमद को पुलिस एनडीपीएस मामलों में साक्षी बनती रहती है। यह प्रकरण न्यायालय के सामने पेश किए जाते हैं। साक्षी वहीद अहमद को जब बुलाया जाता है तो वह उपस्थित होने के नाम पर धर रखा अहमद है। आरोपियों के परिजन ने भी शिकायत की है कि वह गवाह पक्ष या पक्षदोषी पक्ष के लिए अनैतिक तौर से मांग करता है। अधिवक्ता संघ ने जारी प्र में

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। माँ साईं कला केंद्र द्वारा दिन रिविबर को भारतीय संस्कृति के प्रमुख नृत्य कथक का प्रदर्शन किया गया। प्राचार्य श्रीमती प्राची पहिरार द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया नृत्य कला कथक को व्यापक करना एवम अधिक से अधिक क्षेत्रों में पहुंचाना एवम संस्कृति का संरक्षण करना माँ साईं कला केंद्र का उद्देश्य रहा है। कथक उत्तर भारत की नृत्य शैली है यह बहुत प्राचीन शैली है। रामायण में कथक का वर्णन है। भावना श्री राम की ही सुविधा की जाती थी। कार्यक्रम का आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। माँ साईं कला केंद्र की स्थापना 2017-2018 में हुई थी, जो दलपत सागर साईं के बेटा बाजार में स्थित है। प्राचार्य श्रीमती प्राची पहिरार इंद्रिया कला संगीत विश्वविद्यालय खैरगढ़ से सम्बंध है। विद्यालय नृत्य में एम.ए., एम.फिल की उपाधि प्राप्त है। अधिष्ठान भारतीय नृत्य प्रतियोगिता कटनी मण्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त एवम गोलड मैडल सहित नृत्य श्रेणी की भी विजेता रही है। भारोद्वेज,रत्नपुर महोत्सव में भी अपनी प्रस्तुति दी है। नृत्य को बढ़ावा देने हेतु पूर्णतः समर्पित रही हैं। इस कला केंद्र में मौनिका शुक्ला शिक्षक के रूप में अपनी सेवा दे रही हैं। कार्यक्रम की शुरुवात संस्था के ही छात्राओं द्वारा एवम माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवम दिव प्रज्वलन कर किया गया। संस्थाध्य संस्था के छात्राओं द्वारा अपने अपने



माता एवम पिता का पुत्र से स्वागत कर आरोचिहंदा प्राप्त किया। नृत्य की शुरुवात शिव वंदना से किया गया, कु. मोक्षी पांडेय ने अपनी प्रस्तुति दी। गुरु वंदना, ताल तिताल में कविता और तिहाई, कथक प्रभुजन, दुमरी और परण, राग कलशवती में तराना, भारोद्वेज पावन, मयन रागभूद्वेज,रत्नपुर महोत्सव में भी ताल तिताल में टोट,भामद,परन एवम तिहाई के माध्यम से प्रस्तुति दी गई जिसमें कुटियानी सिंह राग, कु.आर्याशा शर्मा, कु.प्रकृति, कु.शिषा, कु.दीक्षा, कु.समीरा, कु.श्रेष्ठ अरुणान, कु.नीतिशा झा, कु.आर्य तिवारी, कु.भ्राभा दुबे, श्रीमती पुजा नयक, कु.सुभाष सुमनन्दन, कु.अरुनी शुक्ला, कु.वीरा टाक, कु.बृद्धि पिये, कु.मृकुकुमा वार्सिनिक, कु.नुरूप दान, कु.विशाला ठाकुर, कु.जसमोहिनी सिंह ने भाग लिया।जिसमें लखना चौदक रोहन और भारोद्वेज ने सदात किया। अन्धकार श्रीमती मोनिका शुक्ला एम ए कथक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जेदर सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर प्रखर सिंह पहिरार, विद्या राणा तिवारी, संस्था सिंह राणा, सुभा दुबे, ममता राणा, संयत दुबे, जैकलीन जमान, जयंत शुक्ला, कृष्णा टाक, शिव मर्कर सिंह, मुकेश वार्सिनिक, कमलेश पांडेय, पूज्य पांडेय, संयत राणा, संयत शुक्ला, संयत झा, विद्यारा सिंह राणा, शिवम तिवारी, विनयक तिवारी, सहित बच्चों के माता पिता उपस्थित थे।

चिंगपाल लेम्पस प्रभारी प्रबंधक को किया गया निलंबित

धान खरीदी की तिथि समाप्त होने के बाद केंद्र में भंडारण की शिकायत

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। चिंगपाल लेम्पस के प्रभारी प्रबंधक ईश्वर दास के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही के साथ ही विभागीय जांच भी संस्थित की गई है। सहकारी संस्थाएँ के संचालक पंजीकरण से बाध्या कि लेम्पस प्रभारी प्रबंधक के विरुद्ध यह कार्रवाई धान खरीदी की तिथि समाप्त होने के बाद खरीदी केंद्र में धान भण्डारण के कारण की गई है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी की निर्धारित तिथि 31 जनवरी के बाद धान खरीदी केंद्र में भण्डारण की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री रजत बंसल द्वारा कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। वहीं उनसे जगदलपुर के संचालक द्वारा 130 बोग धान जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। कलेक्टर जयशंकर पंजीकरण सहकारी संस्थाएँ के संचालक पंजीकरण एव जिला सहकारी केंद्रों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा की गई जांच के बाद निर्णय की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच संस्थित की गई है।

8- ना ए राजस्व निरीक्षक मंडलों का किया जाएगा गठन

सात मार्च तक मंगाई गईं दावा आपति

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। बस्तर जिले के प्राथमिक सुविधा के लिए 8- ना राजस्व निरीक्षक मंडलों का गठन किया जाएगा। इनमें बस्तर तहसील में लाक्कर एवं गुणखावा, लोखण्डा तहसील में मासुड, बालाबर तहसील में बुंदे किरवाण, दशा तहसील में नेगानर और लोकापाल तहसील में कर्जी राजस्व निरीक्षक मंडल का गठन किया जाएगा। इससे बस्तर जिले में राजस्व निरीक्षक मंडलों की संख्या 14 से बढ़कर 20 हो जाएगी। राजस्व निरीक्षक मंडल के पुनर्गठन का प्रस्ताव जिले के सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सहायक निरीक्षण के अध्यक्ष हैं। उनका मंत्रालय में उपलब्ध है। एक प्रस्ताव के संबंध में किसी भी व्यक्ति, या संस्था को किसी प्रकार का दावा आपति हो तो इस उद्घोषणा के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधिस्तर रोड शाखा में न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। निरास्त आवृथि के समान पक्षात किसी भी दावा आपति पर विचार नहीं किया जाएगा।

जगदलपुर, 22 फरवरी (सन्सू)। बस्तर प्राथमिक सुविधा के लिए 8- ना राजस्व निरीक्षक मंडलों का गठन किया जाएगा। इनमें बस्तर तहसील में लाक्कर एवं गुणखावा, लोखण्डा तहसील में मासुड, बालाबर तहसील में बुंदे किरवाण, दशा तहसील में नेगानर और लोकापाल तहसील में कर्जी राजस्व निरीक्षक मंडल का गठन किया जाएगा। इससे बस्तर जिले में राजस्व निरीक्षक मंडलों की संख्या 14 से बढ़कर 20 हो जाएगी। राजस्व निरीक्षक मंडल के पुनर्गठन का प्रस्ताव जिले के सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सहायक निरीक्षण के अध्यक्ष हैं। उनका मंत्रालय में उपलब्ध है। एक प्रस्ताव के संबंध में किसी भी व्यक्ति, या संस्था को किसी प्रकार का दावा आपति हो तो इस उद्घोषणा के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधिस्तर रोड शाखा में न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। निरास्त आवृथि के समान पक्षात किसी भी दावा आपति पर विचार नहीं किया जाएगा।

अंकेक्षण, निरीक्षण एवं लेखा संधारण के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित



जिले के लेम्पस 900 आहरण एवं सवितरण अधिकारियों को लार्गामिन करने की दृष्टि से ऑनलाइन प्रसारित किया गया। इस अवसर पर अकर कलेक्टर अरविंद एका, डिप्टी कलेक्टर बीएस सिंदार, सुदुकी संचालक विश्व दीवाकर राठी, वीरेश कोणालय अधिकाारी धीरज गनगुनी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छग मरदासा बोर्ड द्वारा आयोजित फ्लायर पाठ्यक्रम परीक्षा फार्म बस्तर हाई स्कूल में उपलब्ध

जगदलपुर 22 फरवरी (सन्सू)। एलसीएस हारद मरदासा बोर्ड द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा 2021 एवं उर्दू अदीय/उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा 2021 के आवेदन फार्म अधिष्ठाण केंद्र शास. बहु. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बस्तर हाई स्कूल) जगदलपुर में उपलब्ध है। ऐसे परीक्षार्थी जो किसी कारणवश आपो की पढाई छोड़ चुके हैं उनके लिये छा. मरदासा बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने का सुवसरण प्रदान कर परीक्षार्थी के भविष्य के संवारेने में सत्तु प्रयासशील है। हायर सेकेण्ड्री/ हाई स्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा 2021 परीक्षा आवेदन फार्म सामान्य शुल्क के साथ जमा करने रु. 250/- के साथ जमा करने की अतिम तिथि 30 मार्च तथा विलय शुल्क रु. 500/- के साथ परीक्षार्थी द्वारा अधिष्ठाण केंद्र में जमा करने की अतिम तिथि 15 अप्रेल छग. मरदासा बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई है। परीक्षा प्रविष्ट होने के लिए उर्दू भाषा का सामान्य ज्ञान होना आवश्यक है। जिसके लिए आवेदन पत्र के अंतिम पृष्ठ पर उर्दू भाषा के प्राचीन ज्ञान होने का हल्लनाम्ना संलग्न है जिसे अधिष्ठाणकर्ता अधिकाारी के समक्ष प्रविष्टि पूर्ण करने होगा। परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा का माध्यम उर्दू अथवा हिन्दी का चयन किया जा सकता है। परीक्षार्थी कला, वाणिज्य, विज्ञान आदि परीक्षाओं में से किसी एक संस्था का चयन कर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। संकायवर शुल्क अलग-अलग निर्धारित है।